web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 27 जुलाई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 299

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

महत्वपूर्ण एवं खास

मॉनसून सत्र : संसद में हंगामा, राज्यसभा के 11 सांसद सस्पेंड

नई दिल्ली (आरएनएस)। मॉनसून सत्र में महंगाई, बेरोजगारी, जीएसटी और जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर विपक्ष का हंगामा जारी है। हंगामे के चलते 11 सांसदों को सदन से एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। इससे पहले सोमवार को कांग्रेस के चार सांसदों को सस्पेंड किया गया था। राज्यसभा में हंगामे की वजह से उपसभापति ने 11 सांसदों को एक हफ्ते के लिए निलंबित कर दिया है। सांसदों से सेक्शन 256 के तहत कार्रवाई की गई है। निलंबित सांसदों में सुष्मिता देब, शांतनु सेन, ए रहीम और एन शमुघम शामिल हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोरोना से हुए संक्रमित

पटना (आरएनएस)। बिहार में कोरोना ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। इस बीच, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। मुख्यमंत्री पिछले तीन चार दिन से बीमार चल रहे थे। चिकित्सकों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा मंगलवार को जारी एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। मुख्यमंत्री पिछले दो-तीन दिनों से अस्वस्थ महसूस कर रहे थे। सोमवार को उन्होंने अपनी कोरोना जांच कराई, जिसमें वे कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अभी होम आइसोलेशन में हैं और डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। मुख्यमंत्री ने पिछले दो-तीन दिनों में संपर्क में आए लोगों से अपनी कोरोना जांच कराने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार के पहले भी बिहार के कई मंत्री कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाल के बिहार दौरे से पहले उप मुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के शपथ ग्रहण समारोह में भी नहीं जा सके थे।

गुजरात में जहरीली शराब पीने से अब तक 28 लोगों की मौत, 30 लड़ रहे जिंदगी की जंग

अहमदाबाद (आरएनएस)। गुजरात में बोटाद जिले के रोजिद गांव में जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। राज्य में शराबबंदी होने के बावजूद इस त्रासदी में अब तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है और 30 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। वहीं दूसरी ओर भूपेन्द्र पटेल सरकार लगातार नजर बनाए हुए है। सोमवार को सीएम पटेल ने एक हाई लेवल मीटिंग की और अफसरों को आगे की कार्रवाई के लिए निर्देशित किया। गुजरात पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार रात बताया कि कुछ मरीजों की हालत गंभीर है। मामले में पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया है। गुजरात आतंकवाद रोधी दस्ता (एटीएस) और अहमदाबाद अपराध शाखा भी जांच में शामिल हो गयी हैं। पुलिस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक अभी 30 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है, ज्यादातर लोग भावनगर में सर तख्तसिंहजी अस्पताल में भर्ती हैं। उनमें से कुछ की हालत नाजुक है। पुलिस ने बताया कि इस सिलसिले में दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया गया है और कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

विपक्षी दलों ने खटखटाया राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का दरवाजा

नई दिल्ली (आरएनएस)। विपक्ष की कई पार्टियों ने महंगाई और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को लेकर संसद में चल रहे गतिरोध तथा जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग को लेकर मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से आग्रह किया कि वे इन मामलों में हस्तक्षेप करें। कांग्रेस, शिवसेना और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर उन्हें पदभार ग्रहण करने की बधाई भी दी। इन दलों ने पत्र में कहा, 'बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि संसद के मानसून सत्र के दौरान दोनों सदनों में गतिरोध बना हुआ है क्योंकि सरकार महंगाई और कई खाद्य वस्तुओं पर जीएसटी लगाने के मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे कई उदाहरण हैं कि इस तरह के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई है, लेकिन यह सरकार अडियल रुख अपनाए हुए है और चर्चा कराने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम आपका ध्यान इस ओर भी खींचना चाहते हैं कि मोदी सरकार, राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ प्रतिशोध की सुनियोजित मुहिम के तहत जांच एजेंसियों का दुरुपयोग जारी रखे हुए है और इसे तेज कर दिया है। कानून को भय या पक्षपात के बिना लागू करना चाहिए।

सोनिया से ईडी की पूछताछ का विरोध, पुलिस ने राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में लिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। नेशनल हैराल्ड मामले में सोनिया गांधी से ईडी की मंगलवार को दूसरे दौर की पूछताछ चल रही है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस संसद में महंगाई-बेरोजगारी पर चर्चा न होने के कारण अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। राहुल गांधी भी विजय चौक पर धरने पर बैठ गए। लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। दिग्विजय सिंह, दीपेन्द्र हुड्डा व अन्य वरिष्ठ नेताओं को दिल्ली पुलिस ने बसों में बैठा लिया। इस दौरान राहुल गांधी को भी हिरामसत में ले लिया गया। हिरासत में लिए जाने से पहले राहुल गांधी ने कहा, सांसद आए, महंगाई की बात की, यह हमें बैठने नहीं दे रहे हैं। पुलिस हमें गिरफ्तार कर रही है। मोदी जी एक राजा हैं।

इसके साथ ही ईडी की पूछताछ के खिलाफ कांग्रेस सत्याग्रह कर अपना विरोध दर्ज करा रही है। कांग्रेस मुख्यालय से लेकर पार्टी के नेता पार्लियामेंट में भी अपना विरोध दर्ज कराने की योजना बना चुके हैं। इसके अलावा कांग्रेस मुख्यालय के बाहर इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को भी दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लेना शुरू कर दिया।

राजघाट पर सत्याग्रह की इजाजत न देने के कारण कांग्रेस ने केंद्र पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता अजय माकन ने कहा, कांग्रेस को राजघाट पर सत्याग्रह की इजाजत नहीं दी गई। महात्मा गांधी की समाधि पर सत्याग्रह की इजाजत नहीं देना, लोकतंत्र की हत्या करने जैसा है। कांग्रेस ने इस पूछताछ का विरोध करने के लिए राजघाट पर सत्याग्रह करने की इजाजत मांगी थी, लेकिन दिल्ली पुलिस ने अनुमति नहीं दी।

भाजपा सरकार ने कांग्रेस को सत्याग्रह की अनुमति नहीं दी है। लेकिन इसी भाजपा ने केंद्र के कांग्रेस शासन में, राजघाट पर एक ऐसा सत्याग्रह किया था। जो सत्याग्रह कम और उत्सव पार्टी ज्यादा थी, जिसमें भाजपा नेताओं ने डांस करते हुए ठुमके लगाए थे। ऐसा करने वालों में भाजपा सरकार के वर्तमान के मंत्री शामिल थे। यह 5 जून 2011 का वाकया है, जब भाजपा ने राजघाट पर बाबा रामदेव के समर्थन में, पूरी रात धरना दिया था। इस दौरान भाजपा नेताओं का डांस करने वाला वीडियो खासा लोकप्रिय हुआ था।

सोनिया गांधी से ईडी की फिर पूछताछ शुरू, कांग्रेस का देशभर में सत्याग्रह का कार्यक्रम- कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी नेशनल हेराल्ड मामले में दूसरे दौर की पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय पहुंची है। इससे पहले सोनिया 21 जुलाई को पहले दौर की पूछताछ के लिए दोपहर करीब 12.10 बजे ईडी मुख्यालय पहुंची थीं। उनके साथ उनके बेटे राहुल गांधी और बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं। राहुल गांधी ईडी मुख्यालय से जल्द ही चले गए थे, लेकिन प्रियंका अपनी मां की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए वापस वहीं रुक गईं थी।

प्रियंका ने अपनी मां से पूछताछ के दौरान ईडी मुख्यालय में मौजूद रहने का अनुरोध किया था। ईडी ने इसे स्वीकार कर लिया।

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की बैठक स्थगित

नई दिल्ली (आरएनएस)। विभिन्न विषयों पर कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण मंगलवार को लोकसभा की बैठक एक बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गयी। एक बार के स्थगन के बाद पूर्वाह्न 11:45 बजे बैठक शुरू हुई तो पीठासीन सभापति राजेंद्र अग्रवाल ने प्रश्नकाल पूरा कराया। इस दौरान आंध्र प्रदेश से वाईएसआरसीपी के एक सदस्य द्वारा मछुआरों से संबंधित प्रश्न पूछे जाने के दौरान कुछ सदस्यों ने शोर-शराबा किया। प्रश्नकाल के दौरान ही तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सौगत राय कुछ कहने का प्रयास करते देखे गये जिस पर पीठासीन सभापति ने उन्हें शून्यकाल में बोलने का अवसर देने की बात कही। प्रश्नकाल समाप्त होने के बाद मंत्रियों और सदस्यों ने आज की कार्यसूची में उल्लेखित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किये। पीठासीन सभापति ने शून्यकाल शुरू कराया और हरियाणा से भारतीय जनता पार्टी के सदस्य धरमवीर सिंह ने अपना विषय रखा। इस दौरान विपक्ष के कुछ सदस्य अपनी बात रखने का प्रयास कर रहे थे जिस पर अग्रवाल ने कहा कि वे कृपया बैठ जाएं, उन्हें बोलने का अवसर दिया जायेगा। हालांकि विपक्षी सदस्यों का हंगामा तेज होने पर पीठासीन सभापति अग्रवाल ने दोपहर लगभग 12:07 बजे कार्यवाही दो बजे तक स्थगित कर दी। इससे पहले सुबह 11 बजे निचले सदन की कार्यवाही शुरू होने पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने करगिल विजय दिवस की 23वीं वर्षगांठ पर मातृभूमि की रक्षा में अदम्य साहस का प्रदर्शन करने वाले देश के वीर सपूतों को नमन किया। सदन में सदस्यों ने कुछ पल मौन रखकर करगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद, प्रश्नकाल शुरू होते ही कांग्रेस सहित कुछ विपक्षी दलों के सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे के बीच ही कुछ सदस्यों ने पूरक प्रश्न पूछे और पशुपालन एवं मत्स्यपालन राज्य मंत्री एल मुरूगन ने उनके उत्तर दिये।

महिला ने एक साथ 5 बच्चों को दिया जन्म, सभी की मौत- शादी के 7 साल बाद बनी थी मां

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान में एक महिला ने एक साथ 5 बच्चों को जन्म दिया है। महिला की शादी के 7 साल बीत चुके थे, लेकिन अब तक यह महिला मां नहीं बन सकी थी। कई डॉक्टरों से इलाज कराने के बाद महिला ने सोमवार को एक साथ 5 बच्चों को जन्म दिया। घर में बरसों बाद किलकारियां गूंजने से खुशी का माहौल था। लेकिन जश्न का यह माहौल जल्द ही मातम में तबदील हो गया। जानकारी के मुताबिक, महिला के किसी भी बच्चे को बचाया नहीं जा सका।

मामला करौली जिले का है। मासलपुर क्षेत्र के पिपरानी गांव की रहने वाली 25 साल की रेशमा ने सोमवार की सुबह 5 बच्चों को जन्म दिया था। महिला की डिलीवरी 7 महीने में ही हो गई थी। हालांकि, प्री-मैच्योर डिलीवरी होने के बाद भी उस वक्त बच्चों की मां स्वस्थ थीं, लेकिन बच्चे कमजोर थे।

यह महिला 7 साल बाद मां बनी थी। इनमें 2 लडक़े और 3 लड़कियां थीं। चिकित्सकों के मुताबिक सभी बच्चों के जन्म में एक-डेढ़ मिनट का अंतर था। बच्चों का वजन 300 से 660 ग्राम था। इलाज के लिए 2 लडक़े और 2 लड़कियों की जयपुर लाते समय रास्ते में मौत हो गई, जबकि एक लडक़ी ने जयपुर पहुंचकर हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया। महिला के पति अश्क अली केरल में काम करते हैं। महिला पहली बार मां बनी थी लेकिन अब उनके सभी बच्चों की मौत हो गई है। चिकित्सकों का मानना है कि लाखों में इस तरह का एक केस सामने आता है। जब कोई महिला एक बार में 4-5 बच्चों को जन्म देती है।

अर्पिता मुखर्जी ने किया स्वीकार, पार्थ चटर्जी का ही था रुपयों का ढेर; छापेमारी के चलते फेल हो गई कैश बाहर निकालने की योजना

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी की निकट सहयोगी अर्पिता मुखर्जी ने कबूल किया है कि उनके घर से बरामद कैश बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी का ही है। मंत्री की करीबी ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने यह कबूलनामा किया है। उन्होंने एजेंसी को बताया कि पैसा उनसे जुड़ी कंपनियों में लगाया जाना था। पूछताछ के दौरान, उन्होंने खुलासा किया कि कैश को एक या दो दिनों में घर से बाहर निकालने की योजना थी। लेकिन एजेंसी के छापे ने योजना को फेल कर दिया।

दोषी पाए जाने पर अपने मंत्री को नहीं बख्शूंगी : ममता

तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने शिक्षक भर्ती घोटाले के सिलसिले में ईडी द्वारा राज्य के मंत्री पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार करने के बाद उनसे दूरी बना ली है। इस बीच पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि घोटाले का जिम्मेदारी चटर्जी और उनकी करीबी अर्पिता मुखर्जी के ऊपर है। विभिन्न क्षेत्रों के प्रशंसित व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए राज्य सरकार के एक कार्यक्रम के दौरान इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए, बनर्जी ने कहा, भ्रष्टाचार का समर्थन करना न तो मेरा जुनून है और न ही मेरी आदत। मैं यह नहीं कह सकती कि हर कोई निर्दोष है। मैं स्पष्ट रूप से कहना चाहती हूं कि एक महिला के आवास से बरामद धन का तृणमूल या राज्य सरकार से कोई संबंध नहीं है।

अगर कोई दोषी पाया जाता है, तो उसे आजीवन कारावास की सजा दी जाए। लेकिन जिस तरह से मेरा नाम नकदी की वसूली के मामले में घसीटा जा रहा है, उससे मैं दुखी हूं। मैं इस तरह के झूठे प्रचार को और बर्दाश्त नहीं करूंगी। मुख्यमंत्री ने एक वायरल वीडियो का भी जिक्र किया, जिसमें उन्हें दुर्गा पूजा के उद्घाटन समारोह के दौरान अर्पिता मुखर्जी के साथ मंच साझा करते देखा जा सकता है।

उन्होंने कहा, मैं कई पूजाओं के उद्घाटन के लिए जाती हूं। मुझे कैसे पता चलेगा कि आयोजकों ने किसे आमंत्रित किया है? मुझे कैसे पता चलेगा कि वह पार्थ की दोस्त थी? मैं अपने पार्टी के लोगों को भी नहीं बख्शती अगर वे गलती करते हैं। दोषी पाए जाने पर मैं अपने मंत्री को भी नहीं बख्शूंगी।

देश में मिले कोरोना वायरस के 14,830 नए मरीज, 36 लोगों की मौत : सक्रिय मामलों में आई गिरावट

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारत में बीते दिन कोरोना वायरस से संक्रमण के 14,830 नए मामले सामने आए और 36 लोगों की मौत हुई। इसी के साथ देश में कुल संक्रमितों की संख्या 4,39,20,451 हो गई है। इनमें से 5,26,110 मरीजों की मौत हुई है। सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 1,47,512 हो गई है। एक दिन पहले देश में 16,866 नए मामले दर्ज हुए थे। यह लगातार दूसरा दिन है, जब दैनिक मामलों की संख्या 20,000 से नीचे रही है।

कोरोना वायरस के संक्रमण को हराकर ठीक होने वालों की बात करें तो पिछले 24 घंटे में देशभर में 18,159 मरीज ठीक हुए। इसी के साथ महामारी को हराकर ठीक होने वाले मरीजों की कुल संख्या 4,32,46,829 हो गई है। देश की रिकवरी रेट 98.47 प्रतिशत है। कोरोना टेस्ट की बात करें तो पिछले 24 घंटे में देशभर में 4,26,102 टेस्ट किए गए हैं। अब तक देश में लगभग 87.32 करोड़ कोरोना टेस्ट किए जा चुके हैं।

सबसे अधिक प्रभावित राज्यों पर नजर डालें तो महाराष्ट्र में अब तक 80,35,046 लोगों को संक्रमित पाया जा चुका है और 1,48,068 लोगों की मौत हुई है। दूसरे सर्वाधिक प्रभावित राज्य केरल में रविवार तक 67,10,792 लोगों को संक्रमित पाया जा चुका था और 70,394 मरीजों की मौत हुई है। 35,34,246 मामलों और 38,032 मौतों के साथ तमिलनाडु और 39,96,717 मामलों और 40,091 मौतों के साथ कर्नाटक और अगले दो सबसे अधिक प्रभावित राज्य हैं।

सबसे अधिक प्रभावित राज्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु और केरल में ही नए मामले भी सबसे अधिक आ रहे हैं। महाराष्ट्र में दैनिक मामलों कम होते हुए नजर आ रहे हैं और बीते दिन यहां 785 नए मामले सामने आए। इसी तरह तमिलनाडु में बीते दिन 1,903 नए मामले पकड़ में आए, वहीं केरल में रविवार को 1,700 नए लोगों को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया। कर्नाटक में बीते दिन 939 नए मामले सामने आए।

वैक्सीनेशन अभियान की बात करें तो देश में अब तक वैक्सीन की 2,02,50,57,717 खुराकें लगाई जा चुकी हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, बीते दिन 30,42,476 खुराकें लगाई गईं। देश में 12 साल से अधिक उम्र के बच्चों और वयस्कों को वैक्सीन लगाई जा रही है।

ट्रक चालक ने एआरटीओ की टीम को रौंदा, दो की मौत

सुल्तानपुर (आरएनएस)। आज एआरटीओ की टीम द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान एक ट्रक ने टीम की गाड़ी में टक्कर मार दी जिससे विभाग के ड्राइवर व सिपाही की घटनास्थल पर ही मौत हो गई घटना गोसाईगंज थाना क्षेत्र के माधवपुर छतौना की है बताया जा रहा है कि सुल्तानपुर से कादीपुर की ओर चादर लदा एक ट्रक जा रहा था तभी सुबह के समय एआरटीओ के सिपाही अरुण सिंह व चालक मुबीन खान माधवपुर के पास चेकिंग लगाए हुए थे तभी ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वही ट्रक ड्राइवर ट्रक को सडक़ के किनारे लगाकर फरार हो गया घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और दोनों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

बताते चलें कि गोसाईगंज थाना क्षेत्र में हुए उप संभागीय परिवहन विभाग के दो कर्मियों की मौत के बाद मामले में नाटकीय मोड़ आ गया है। मृतक सिपाही अरुण कुमार सिंह के परिजनों ने साजिशन हत्या का आरोप लगाया है,उन्होंने कहा कि विभाग में सब कुछ सही नहीं चल रहा था। परिजनों का आरोप है कि टोकन वसूली, नो एंट्री से होने वाले फायदे को लेकर मृतक सिपाही को एक विभागीय अधिकारी धमकी दे चुके हैं। बताया जाता है कि महीनों पूर्व हिस्सेदारी को लेकर जिले के पूर्व विधायक के यहां मामले में पंचायत हो चुकी थी। करीब साल भर पहले लखनऊ से ट्रांसफर होकर आए मृतक सिपाही अरुण कुमार सिंह को विभाग में एक उच्च अधिकारी टॉर्चर करते थे । इसके पहले भी मामला अयोध्या के अधिकारियों तक पहुंचा था इस पूरे मामले में वसूली से जुड़े एक ऑडियो में ने भी काफी सनसनी मचा दी थी। फिलहाल परिजनों ने सवाल खड़ा किया है कि महकमें एक अफसर द्वारा थाने पहुंचकर एफआईआर दर्ज करने में तेजी दिखाई गई, जबकि परिजनों को उक्त अधिकारी ने सूचना तक नही दिया।

17 गोलियां लगने के बावजूद पाकिस्तानियों को हराया, परमवीर चक्र विजेता योगेंद्र सिंह यादव का नहीं डिगा जज्बा

साहिबाबाद (आरएनएस)। कारगिल युद्ध में 20 साथी बलिदान हो गए और 17 गोलियां लग चुकी थीं, किंतु परमवीर चक्र विजेता योगेंद्र सिंह यादव का जज्बा नहीं डिगा। जिन मुश्किल हालात में उन्होंने जंग लड़ी, वह गाथा सुनकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। योगेंद्र सबसे कम उम्र में परमवीर चक्र से अलंकृत होने वाले योद्धा हैं।

31 दिसंबर को आर्मी से सेवानिवृत्त होने के बाद वह साहिबाबाद के लाजपत नगर में परिवार के साथ रहते हैं। अब वह देशभर के स्कूल कालेजों में विद्यार्थियों को अपनी शौर्यगाथा के जरिये राष्ट्रधर्म सर्वप्रथम के प्रति जागरूक कर रहे हैं। योगेंद्र बताते हैं कि सन 1999 में साढ़े 16 फीट ऊंची टाइगर हिल बर्फ से ढकी थी।

तापमान-30 डिग्री सेल्सियस था। बर्फीले तूफान के बीच पहाड़ी पर चढऩा आसान नहीं था। पाकिस्तानी सेना ऊंचाई पर थी। दिन में चढ़ते तो पाकिस्तानी सेना देख लेती और आसानी से उनकी गोली के शिकार हो जाते। योगेंद्र 20 साथियों के साथ बर्फीले तूफान को चीरते हुए रात में दुश्मनों की तरफ बढ़ते और दिन में छिप जाते।

उन्होंने बताया कि तीसरी रात की सुबह हमारा दस्ता टाइगर हिल की चोटी के पास था। तभी पाकिस्तानी सेना ने हमें देख लिया। उनके दस्ते पर पाकिस्तानी सैनिकों ने गोलियों की बौछार कर दी। भारतीय जवानों ने अदम्य साहस दिखाते हुए पाकिस्तानी सेना के कई सैनिकों को मार गिराया और 14 साथी बलिदान हो गए। सिर्फ सात लोग टाइगर हिल पर पहुंचे। कई पाकिस्तानियों को मार गिराया।

इस लड़ाई में उनके छह साथी घायल हो गए। योगेंद्र साथियों को चिकित्सीय सेवा दे ही रहे थे कि इसी दौरान दुश्मन की गोली उनके दोस्त के भेजे को पार करती हुई निकल गई।

मूलरूपी से बुलंदशहर के औरंगाबाद अहीर गांव के योगेंद्र के पिता करन सिंह यादव भी सेना में थे। उनके पिता ने 1965 और 1971 में पाकिस्तानी सेना से जंग लड़ी। बड़े भाई जितेंद्र यादव भी सेना में रहे। योगेंद्र महज 16 साल पांच माह की उम्र में भारतीय सेना में पहुंच गए। वर्ष 1999 में उनकी शादी हुई। उनकी पत्नी गर्भवती थीं तभी मुख्यालय से पत्र आया। वह बिना देर किए घर से निकल गए। जम्मू पहुंचे तो पता चला कि कारगिल जाना है।

वहां पांच घंटे तक लगातार फायरिंग की। जब बहुत कम मात्र में हथियार बचे तो हमने रणनीति बनाई। एकदम से शांत हो गए और दुश्मन का इंतजार करने लगे।

दिन के करीब बारह बजे पाकिस्तान के ग्यारह से बारह सैनिक देखने आए कि भारत के कितने जवान बचे हैं। वे जैसे ही दिखे हमने एक साथ हमला बोल उन्हें मौत के घाट उतार दिया।

योगेंद्र को लगीं 17 गोलियां फिर भी लड़ी जंग- योगेंद्र ने बताया कि पाकिस्तानी सैनिकों ने उनपर भी गोलियां चला दीं। ग्रेनेड का एक हिस्सा पैर में लगा। उन्हें लगा कि उनका पैर कट गया है। वह जख्मी होकर गिर पड़े, लेकिन उन्हें विश्वास था कि जब तक सीने या सिर में गोली नहीं लगेगी तब तक वह जीवित रहेंगे। पाकिस्तानी सैनिकों ने बलिदान हुए योगेंद्र के साथियों पर गोलियां दागीं।

योगेंद्र पर भी गोलियां चलाईं। उनके हाथ और पैरों में 17 गोलियां लगीं। इसके बाद सीने में गोली चलाई, लेकिन जेब में रखे पांच रुपये के सिक्कों ने उनकी जान बचा ली। दर्द बहुत था, लेकिन दुश्मनों के सामने ऐसे लेटे रहे मानों शरीर में प्राण नहीं है। इसके बाद पाकिस्तानी सैनिक योगेंद्र व उनके साथियों के हथियार लूट ले गए। योगेंद्र सिंह यादव जब कारगिल युद्ध के बारे में बताते हैं तो उनके चेहरे पर चमक और आवाज बुलंद हो जाती है। वह बताते हैं कि टाइगर हिल पर दिन में नहीं चढ़ा जा सकता था। आगे बढ़ते समय पहाड़ी पर एक संकीर्ण रास्ता भी आया, जिसमें सिर्फ रस्सी के सहारे ऊपर जा सकते थे।

जब हम रस्सी के सहारे जाने लगे तो दोनों तरफ से दुश्मनों के बंकर से फायरिंग शुरू हो गई। इसके बावजूद हम सात जवान ऊपर चढ़ गए। अंधाधुंध फायरिंग कर दुश्मनों को मौत के घाट उतार दिया। वहां हम एक कदम आगे रखते तब भी मौत थी और पीछे रखते तब भी मौत थी, लेकिन भारतीय फौजी कभी भी अपने कदम पीछे नहीं हटाता है। उसके कदम हमेशा दुश्मन की ओर बढ़ते हैं। हम आगे की तरफ भागे।